JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue
JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)
An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

शीर्षक– कुमाऊँ मण्डल में कूर्मांचल नगर सहकारी बैंक लिमिटेड की वर्तमान स्थिति एवं कार्य प्रगति का अध्ययन

लेखक–

1– रेखा रानी सिडाना, शोध छात्रा (वाणिज्य विभाग), स. भ. सि. राजकीय स्ना. महाविद्यालय, रुद्रपुर, ऊधम सिंह नगर (उत्तराखण्ड)।

2– डॉ. पी. एन. तिवारी, प्रोफेसर (वाणिज्य विभाग), राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रानीखेत, (उत्तराखण्ड)।

सार–

बैंकों का वर्तमान अर्थव्यवस्था में अत्यन्त महत्त्वपूर्ण स्थान है। बैंकों के महत्व में आर्थिक विकास होने के साथ–साथ वृद्धि होती जा रही है। सहकारिता के सिद्धान्त पर बनाये गये बैंक को 'सहकारी बैंक' कहते हैं। यह शोध पत्र भारत के उत्तराखण्ड में स्थित एक प्रमुख सहकारी बैंकिंग संस्थान कूर्मांचल नगर सहकारी बैंक लिमिटेड की कुमाऊँ मण्डल में वर्तमान स्थिति और चल रही कार्य प्रगति की जाँच करता है। यह अध्ययन कूर्मांचल नगर सहकारी बैंक लिमिटेड के वित्तीय स्वास्थ्य और परिचालन प्रभावशीलता की जाँच करता है। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिये प्रस्तुत शोधपत्र के अन्तर्गत प्रमुख रूप से कूर्मांचल बैंक के वर्ष 2023–24 के वित्तीय प्रदर्शन का इतना विस्तृत गहन विश्लेषण, जिसमें बैंक की लाभप्रदता, परिसम्पत्ति गुणवत्ता, दक्षता, निवेश रुझान, नियामक अनुपालन और विकास दृष्टिकोण जैसे विभिन्न पहलुओं की जाँच को सम्मिलित किया गया है। निष्कर्ष बैंक की वर्तमान स्थिति एवं कार्य प्रगति की व्यापक समझ प्रदान करते हैं और भविष्य में इसके सतत विकास के लिए सुझाव प्रदान करते हैं। यह शोधपत्र मुख्य रूप से द्वितीयक स्रोतों पर आधारित है। इसके साथ ही प्राथमिक रूप से बैंक की शाखाओं से भी सूचनायें एकत्रित की गयी हैं।

उद्देश्य–

इस अध्ययन का उद्देश्य कुमाऊँ मण्डल में कूर्मांचल नगर सहकारी बैंक लिमिटेड की वर्तमान स्थिति और चल रही कार्य प्रगति का अध्ययन करना है। इसके लिये कूर्मांचल बैंक के 2023–24 के वित्तीय प्रदर्शन का इतना विस्तृत, गहन विश्लेषण, जिसमें लाभप्रदता, परिसम्पत्ति गुणवत्ता, दक्षता, निवेश रुझान, नियामक अनुपालन और विकास दृष्टिकोण जैसे विभिन्न पहलुओं को सम्मिलित किया गया है।

शोध– प्रविधि– अनुसन्धान में मिश्रित– पद्धति दृष्टिकोण का उपयोग किया गया है–

मात्रात्मक विश्लेषण– कूर्मांचल नगर सहकारी बैंक लिमिटेड से वित्तीय आँकड़ों की जाँच, जिसमें ऋण वितरण, जमा वृद्धि और शाखा विस्तार, बैंक की लाभप्रदता, परिसम्पत्ति गुणवत्ता, दक्षता, निवेश रुझान, नियामक अनुपालन और विकास दृष्टिकोण जैसे विभिन्न पहलुओं की जाँच शामिल हैं।

गुणात्मक विश्लेषण– बैंक की पहल के प्रभाव को समझने के लिए कूर्मांचल नगर सहकारी बैंक लिमिटेड के अधिकारियों, स्थानीय उद्यमियों और समुदाय के सदस्यों के साथ साक्षात्कार।

डाटा संग्रह मुख्य रूप से द्वितीयक स्रोतों से किया गया है, जिसके अन्तर्गत बैंक की वार्षिक रिपोर्टों, शोध पत्रों और विद्वानों के लेखों से प्रासंगिक जानकारी प्राप्त की गई। बैंक की वार्षिक रिपोर्टों एवं अन्य प्रकार की द्वितीयक स्त्रोतों जैसे पुस्तकों, वेब– साइट्स, पत्र– पत्रिकाओं, जर्नल्स, आदि से भी सूचनाएँ एकत्रित की गयी। आवश्यकतानुसार प्राथमिक स्त्रोतों एवं बैंक की शाखाओं से सामग्री एवं सूचनाएं एकत्रित की गयीं।

भारत में सहकारी बैंकिंग–

सहकारी बैंक आपसी सहायता और सामुदायिक विकास के सिद्धान्तों पर कार्य करते हैं। भारत में सहकारी बैंकिंग की शुरुआत 20वीं सदी की शुरुआत में हुई थी, जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से वंचित लोगों के लिए वित्तीय पहुँच में सुधार करना था। सहकारी संस्थाएँ लोकतान्त्रिक नियन्त्रण, पारस्परिक सहायता और स्थानीय विकास के सिद्धान्तों पर कार्य करती हैं, जो औपचारिक वित्तीय संस्थानों और वंचित समुदायों के बीच एक सेतु का काम करती हैं।

सहकारी बैंक बचत खाते, ऋण और बीमा उत्पादों सहित कई तरह की सेवाएँ प्रदान करने के लिए विकसित हुए हैं। आज, सहकारी बैंक बचत खाते, ऋण और बीमा सहित कई वित्तीय सेवाएँ प्रदान करते हैं। वे छोटे किसानों, कारीगरों और छोटे व्यवसायों को ऋण प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिससे क्षेत्रीय आर्थिक विकास और वित्तीय समावेशन को समर्थन मिलता है।

सहकारी बैंकिंग की भूमिका–

सहकारिता का अर्थ सामान्यतः पारस्पारिक सहयोग से कार्य करना है। व्यक्ति अकेला जिस कार्य को करने में अक्षम होता है वह उस लक्ष्य को पाने में दूसरों की सहायता से सफलता प्राप्त कर लेता है। सहकारिता शब्द की उत्पत्ति सह + कार दो शब्दों के मिलने से हुई है। 'सह' शब्द का अर्थ है 'मिलकर' एवं 'कार' शब्द का अर्थ 'काम' से होता है। इस प्रकार सहकारिता का अभिप्राय साथ मिलकर काम करने से है।

प्रो० ई० एच० कैलवर्ट के शब्दों में– "सहकारिता संगठन का वह स्वरूप है, जिसमें व्यक्ति स्वेच्छापूर्वक, समानता के आधार पर मानव के रूप में अपने आर्थिक हितों की वृद्धि हेतु संगठित होते हैं।''

सहकारिता के सिद्धान्त पर बनाये गये बैंक को 'सहकारी बैंक' कहते हैं। सहकारी बैंकिंग प्रणाली में कुछ साधनहीन आपस में मिलकर चन्दा एकत्रित करके, अंश क्रय करके अथवा व्यक्तियों से रुपया उधार प्राप्त करके एक कोष का निर्माण कर लेते हैं एवं उसमें से उत्पादन हेतु सदस्यों को रुपया उधार देकर मदद् दी जाती है। इस प्रकार से बनाये गये सहकारी कोष को ही 'सहकारी बैंक' कहा जाता है।

सहकारी बैंक सहकारी समिति अधिनियम के अन्तर्गत आते हैं जो रिज़र्व बैंक ऑफ़ इण्डिया द्वारा विनियमित है तथा बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949 व बैंकिंग कानून (सहकारी समितियाँ) अधिनियम, 1955 के द्वारा शासित होते हैं। ये **नो– प्रॉफिट नो– लॉस** के आदर्श वाक्य के आधार पर कार्य करते हैं एवं इस प्रकार ये सिर्फ़ लाभदायक उद्यमों तथा ग्राहकों की खोज नहीं करते हैं। जैसा की नाम से स्पष्ट होता है, सहकारी बैंक का प्रमुख उद्देश्य पारस्परिक सहायता है।

पारस्परिक सहायता और लोकतान्त्रिक शासन के सिद्धान्तों पर आधारित सहकारी बैंक वित्तीय असमानताओं को दूर करने के लिए एक महत्त्वपूर्ण तन्त्र के रूप में उभरे हैं। वंचित आबादी को सुलभ वित्तीय सेवाएँ प्रदान करके, ये बैंक औपचारिक वित्तीय संस्थानों और वंचित आबादी के बीच की खाई को पाटने में मदद करते हैं। सहकारी बैंक ग्रामीण और अर्ध– शहरी क्षेत्रों में वित्तीय सेवाओं का विस्तार करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे छोटे किसानों, कारीगरों और छोटे व्यवसायों को ऋण प्रदान करते हैं, जिससे स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को समर्थन मिलता है और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिलता है।

कूर्मांचल नगर सहकारी बैंक लिमिटेड का परिचय–

कूर्मांचल नगर सहकारी बैंक लिमिटेड न केवल उत्तराखण्ड राज्य में अपितु सम्पूर्ण उत्तरी भारत में अग्रणी नगरीय सहकारी बैंकों में से एक है। बैंक की गठन सम्बन्धी कार्यवाही जून 1979 में शुरु कर दी गयी थी और कई निराशाओं व कटु अनुभवों का सामना करने के बाद ही सफलता प्राप्त हुई। दिनाँक 26.02.1980 को कूर्मांचल नगर सहकारी बैंक लिमिटेड नैनीताल के संगठन की प्रथम बैठक हुई जिसमें कूर्मांचल नगर सहकारी बैंक के गठन का प्रस्ताव पास हुआ और इसके साथ ही बैंक का कार्यक्षेत्र कुमाऊँ मण्डल निर्धारित हुआ।

दि कूर्मांचल नगर सहकारी बैंक लिमिटेड, नैनीताल, 03 अप्रैल सन् 1982 को, पंजीकरण संख्या 1429 उत्तर प्रदेश सहकारी समिति अधिनियम 1965 के अन्तर्गत प्राथमिक सहकारी समिति के रूप में पंजीकृत किया गया था। रिज़र्व बैंक द्वारा 6 अक्टूबर 1982 को लाइसेन्स (लाइसेन्स संख्या डीबीओडी/यूबीडी/यूपी 318–पी) प्रदान किया गया। सदस्य सचिव श्री मदन लाल साह द्वारा दिनाँक 03.11.1982 को संचालक मण्डल को भारतीय रिज़र्व बैंक से बैंकिंग करने का लाइसेन्स प्राप्त होने के सम्बन्ध में सूचित किया गया। दिनाँक 03-11-1982 को आयुक्त कुमाऊँ मण्डल द्वारा बैंक का उद्घाटन किया गया। बैंक के द्वारा भारतीय रिज़र्व बैंक से बैंकिंग करने का लाइसेन्स प्राप्त होने के पश्चात् 01 जनवरी 1983 से बैंकिंग क्रियाकलापों की शुरुआत की गयी। शुरुआत में केवल 6 कर्मचारियों तथा एक शाखा मल्लीताल, नैनीताल से कार्य प्रारम्भ किया गया। बैंक ने समाज के कमज़ोर वर्गों को उनके जीवन स्तर को ऊँचा उठाने के लिए किये जाने वाले आर्थिक प्रयासों में सहायता करने के लिए सामाजिक प्रतिबद्धता के सिद्धान्त पर परिचालन शुरु किया।

वर्तमान (2024–25) में बैंक की कुल 45 शाखायें सम्पूर्ण उत्तराखण्ड राज्य में संचालित हैं। कुमाऊँ मण्डल वर्तमान में बैंक की कुल 31 शाखाएँ कार्यरत हैं। बैंक की अंश पूँजी 2022–23 के 46,68,52,420 रूपये से 6.77 प्रतिशत बढ़कर 2023–24 में 49,84,47,020 रूपये हो गई। अंश धारकों की संख्या 2022–23 के 20,160 से 5-70 प्रतिशत बढ़कर 2023–24 में 21,309 हो गई। अंश पूँजी व अंश धारकों की संख्या में हुई वृद्धि बैंक पर अंश धारकों के भरोसे को दर्शाती है। बैंक में वर्तमान में कुल 334 कर्मचारी कार्यरत हैं। बैंक के क्रियाकलापों का प्रबन्ध निदेशक मण्डल द्वारा किया जाता है। वर्तमान में 15 बोर्ड सदस्य हैं जिनमें से 13 निर्वाचित तथा 2 पेशेवर निदेशक भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा– निर्देशों के अनुपालन में सहयोजित हैं।

कुमाऊँ क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित–

उत्तर प्रदेश के 13 हिमालयी जिलों को काटकर 9 नवम्बर 2000 को भारतीय गणतन्त्र के **27वें** तथा हिमालयी राज्यों में **11वें राज्य** के रूप में 'उत्तराँचल' राज्य का गठन किया गया। **1 जनवरी 2007** से इसका नाम उत्तराखण्ड कर दिया गया है। प्राकृतिक सौन्दर्य, सुरम्य घाटियों एवं धार्मिक तथा पौराणिक स्थलों से सुशोभित कुमाऊँ मण्डल उत्तराखण्ड

प्रदेश की उत्तरी सीमा में स्थित है। कुमाऊँ मण्डल का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल **21,034 वर्ग किमी**. है, जो उत्तराखण्ड राज्य के कुल क्षेत्रफल का **39.33 प्रतिशत** है।

कुमाऊँ मण्डल के अन्तर्गत कुल **6 जनपद नैनीताल, ऊधम सिंह नगर, पिथौरागढ़, अल्मोड़ा, बागेश्वर और चम्पावत** हैं। जनपद अल्मोड़ा, बागेश्वर तथा पिथौरागढ़ का सम्पूर्ण क्षेत्र पर्वतीय है। जनपद चम्पावत के तीन विकास खण्ड लोहाघाट, पाटी और बाराकोट पूर्ण पर्वतीय एवं विकास खण्ड चम्पावत का कुछ क्षेत्र मैदानी है। जनपद नैनीताल में 6 विकास खण्ड पर्वतीय क्षेत्र और 2 विकास खण्ड हल्द्वानी व रामनगर भावर क्षेत्र में आते हैं। ऊधम सिंह नगर का सम्पूर्ण भाग मैदानी क्षेत्र है।

उत्तराखण्ड के उत्तरी भाग में स्थित कुमाऊँ क्षेत्र भारत के ग्रामीण क्षेत्रों के सामने आने वाली चुनौतियों का उदाहरण है। इस क्षेत्र का पहाड़ी इलाका और औद्योगीकरण का अपेक्षाकृत कम स्तर सीमित आर्थिक अवसरों में योगदान देता है। कृषि प्राथमिक व्यवसाय बना हुआ है, जिसमें कई निवासी निर्वाह खेती और छोटे पैमाने के व्यापार पर निर्भर हैं।

वित्तीय बुनियादी ढाँचे की कमी क्षेत्र की आर्थिक चुनौतियों को और बढ़ा देती है। बैंकिंग संस्थानों की कमी और ऋण तक सीमित पहुँच के कारण, कई स्थानीय व्यवसाय और किसान अपने उद्यमों में निवेश करने या अपनी आजीविका में सुधार करने के लिए संघर्ष करते हैं। उत्तराखण्ड का कुमाऊँ क्षेत्र भारत के उन क्षेत्रों में से एक है, जहाँ महिलायें हमेशा से कृषि, वानिकी, पशुधन, पशुपालन और डेयरी से जुड़ी रही हैं। वे प्रबंधकीय कौशल, नेतृत्व, संसाधनों के आवंटन और कभी हार न मानने के रवैये में अच्छी हैं। उत्तराखंड के कुमाऊँ क्षेत्र ने महिलाओं के बुनाई कार्यों के रूप में प्रेरक परिणाम प्रदान किए हैं। अल्मोड़ा क्षेत्र के बत्तीस गाँवों की महिलायें बुनाई का काम कर रही हैं। वे अपने परिवार में आय का प्राथमिक स्रोत भी बन रही हैं। इसकी पहाड़ी भूमि और सीमित औद्योगिक विकास के कारण कृषि और छोटे पैमाने के व्यवसायों पर निर्भरता बनी हुई है।

कूर्मांचल बैंक का व्यापक विश्लेषण (2023–24)–

इस अध्ययन का उद्देश्य कुमाऊँ मण्डल में कूर्मांचल नगर सहकारी बैंक लिमिटेड की वर्तमान स्थिति और चल रही कार्य प्रगति का आकलन करना है। इसके लिये कूर्मांचल बैंक के 2023–24 के वित्तीय प्रदर्शन का विस्तृत, गहन विश्लेषण किया गया है, जिसमें लाभप्रदता, परिसम्पत्ति गुणवत्ता, दक्षता, निवेश रुझान, नियामक अनुपालन और विकास दृष्टिकोण जैसे विभिन्न पहलुओं को सम्मिलित किया गया है।

1- व्यवसाय वृद्धि एवं बाज़ार विस्तार– कूर्मांचल बैंक ने शाखाओं, जमा और ऋण अग्रिमों में मजबूत वृद्धि प्रदर्शित की है।

शाखा विस्तार एवं बाज़ार में प्रवेश–

41 से 45 शाखाओं तक की वृद्धि एक रणनीतिक विकास पहल का संकेत देती है जिसका उद्देश्य कम बैंकिंग सुविधा वाले क्षेत्रों में बैंक की पहुँच का विस्तार करना है। इस विस्तार ने संभवतः कई सकारात्मक परिणामों में योगदान दिया। सबसे पहले, इसके परिणामस्वरूप अधिक ग्राहक अधिग्रहण होने की सम्भावना है क्योंकि नई शाखाओं के माध्यम से बढ़ी हुई पहुँच ने एक बड़े ग्राहक आधार को आकर्षित किया है। दूसरे, इस विस्तार ने ग्रामीण और अर्ध– शहरी क्षेत्रों में पहले से वंचित आबादी के लिए औपचारिक बैंकिंग सेवाएँ लाकर अधिक वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दिया है। बैंकिंग सेवाओं तक

यह बढ़ी हुई पहुँच व्यक्तियों और समुदायों को बचत, ऋण और वित्तीय नियोजन के लिए उपकरण प्रदान करके सशक्त बना सकती है।

जमा वृद्धि एवं स्थिरता–

बैंक की कुल जमा राशि में 5.68 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो रू0 2348.58 करोड़ से बढ़कर रू0 2482.05 करोड़ हो गई। हालाँकि, इस वृद्धि के साथ CASA (चालू खाता और बचत खाता) अनुपात में 29.55 प्रतिशत से 29.09 प्रतिशत की गिरावट आई।

कम CASA अनुपात सावधि जमा पर बढ़ती निर्भरता को दर्शाता है, जिस पर आमतौर पर उच्च ब्याज दरें होती हैं। जमा मिश्रण में यह बदलाव बैंक की फण्डिंग लागत को महत्त्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है, सम्भावित रूप से इसके ब्याज मार्जिन को कम कर सकता है।

CASA अनुपात में गिरावट के लिए कई कारक जिम्मेदार हो सकते हैं, जिनमें शामिल हैं–

• **डिजिटल भुगतान बैंकों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा**– ये फिनटेक खिलाड़ी प्रायः आकर्षक ब्याज दरों और नवीन सुविधाओं की पेशकश करते हैं, जो ग्राहकों को पारम्परिक बैंक खातों से दूर ले जाते हैं।

• **ग्राहकों की प्राथमिकताएँ बदलना**– ग्राहक तेजी से म्यूचुअल फण्ड या समता (इक्विटी) बाजार जैसे अधिक आय वाले निवेश विकल्पों का विकल्प चुन रहे हैं, जिससे CASA जमा में गिरावट आ रही है।

• **बढ़ती ब्याज दरें**– बढ़ती ब्याज दरों के माहौल में, ग्राहक अपने धन को कम आय वाले बचत खातों से अधिक आय वाले सावधि जमा या अन्य निवेश मार्गों में स्थानान्तरित करने के लिए अधिक इच्छुक हो सकते हैं।

इस प्रवृत्ति को सम्बोधित करने के लिए बहु– आयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसमें सम्मिलित हैं:

• **नवीन डिजिटल बैंकिंग समाधान विकसित करना**– फिनटेक खिलाड़ियों से प्रतिस्पर्धा के बावजूद ग्राहकों को आकर्षित करना और बनाए रखना।

• **बचत खातों पर प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों की पेशकश**– ग्राहकों को CASA जमा बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करना।

• **ग्राहक सेवा में सुधार और समग्र बैंकिंग अनुभव को बढ़ाना**– ग्राहक निष्ठा को बढ़ावा देना और उन्हें बैंक के साथ अपने प्राथमिक बैंकिंग सम्बन्धों को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करना।

इन चुनौतियों को सक्रिय रूप से सम्बोधित करके, बैंक घटते CASA अनुपात के प्रभाव को कम कर सकता है, अपनी फण्डिंग लागत को अनुकूलित कर सकता है और प्रतिस्पर्धी बाजार माहौल में अपनी लाभप्रदता बनाए रख सकता है।

ऋण पुस्तिका विस्तार एवं ऋण परिनियोजन–

बैंक ने ऋण और अग्रिम में उल्लेखनीय वृद्धि का अनुभव किया, जो रू0 1261.37 करोड़ से 9.77 प्रतिशत बढ़कर रू0 1384.62 करोड़ हो गया।

प्रमुख ऋण खण्डों से मिश्रित प्रदर्शन का पता चलता है–

• **मजबूत सामाजिक फोकस**– प्राथमिकता क्षेत्र ऋण (पी.एस.एल.) 60 प्रतिशत के नियामक अधिदेश को पार कर 72 प्रतिशत तक पहुँच गया है। यह सामाजिक जिम्मेदारी और वंचित क्षेत्रों को समर्थन देने के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

• **खुदरा ऋण प्रोत्साहन**– व्यक्तिगत और लघु व्यवसाय ऋण में उल्लेखनीय वृद्धि खुदरा ऋण पर रणनीतिक फोकस का संकेत देती है, जो संभवतः बढ़ते उपभोक्ता बाजार और ऋण पोर्टफोलियो में विविधता लाने की इच्छा से प्रेरित है।

• **बढ़ता क्रेडिट जोखिम**– एक चिन्ताजनक प्रवृत्ति सेवा क्षेत्र के ऋणों में उच्च जोखिम जोखिम है, जिसने इस क्षेत्र में गैर–निष्पादित परिसम्पत्तियों (एन.पी.ए.) में वृद्धि में योगदान दिया है।

ये घटनाक्रम बैंक के विकास पथ को उजागर करते हैं, साथ ही विशेष रूप से सेवा क्षेत्र के भीतर सावधानीपूर्वक क्रेडिट जोखिम प्रबन्धन की आवश्यकता पर भी जोर देते हैं।

2– लाभप्रदता और प्रदर्शन मैट्रिक्स–

शुद्ध लाभ वृद्धि एवं आय गुणवत्ता–

• शुद्ध लाभ 21.23 प्रतिशत बढ़कर रू 23.01 करोड़ हो गया।

• ई. पी. एस. (प्रति शेयर आय) रू0 8.24 से बढ़कर रू0 9.53 हो गई।

• परिचालन लाभ रू0 32.79 करोड़ से बढ़कर रू0 36.56 करोड़ हो गया।

प्रमुख लाभप्रदता संकेतक–

Metric	**2022-23**	**2023-24**	**Change**
Net Profit	₹18.98 Cr	₹23.01 Cr	**↑21.23%**
Operating Profit	₹32.79 Cr	₹36.56 Cr	**↑11.48%**
Return on Assets (ROA)	0.73%	0.83%	**↑13.7%**
Return on Equity (ROE)	7.52%	8.31%	**↑10.5%**
Net Interest Margin (NIM)	3.26%	3.16%	**↓3.07%**

• परिसम्पत्ति पर प्रतिफल (आर.ओ.ए.) और समता पर प्रतिफल (आर.ओ.ई.) में सुधार हुआ, जो लाभ सृजन में उच्च दक्षता दर्शाता है।

• शुद्ध ब्याज मार्जिन (एन.आई.एम.) में 3.26 प्रतिशत से 3.16 प्रतिशत की गिरावट निम्नलिखित कारणों से चिन्ता का विषय है–

- धन की अधिक लागत।
- उच्च ब्याज वाली सावधि जमाओं पर निर्भरता बढ़ी।

3– परिसम्पत्ति गुणवत्ता एवं ऋण जोखिम प्रबन्धन–

एन.पी.ए. रुझान और सम्पत्ति में गिरावट

• सकल एन.पी.ए. रू0 26.47 करोड़ (2.10 प्रतिशत) से बढ़कर रू0 31.78 करोड़ (2.30 प्रतिशत) हो गया।

• शुद्ध एन.पी.ए. शून्य रहा, जो पर्याप्त प्रावधान और वसूली का संकेत देता है।

सेक्टर– वार एन.पी.ए. प्रदर्शन–

Sector	**Outstanding Loans (₹ Lakhs)**	**Gross NPA (₹ Lakhs)**	**NPA %**
Agriculture & Allied	14,163.05	226.3	**1.6%**
Industry (PSL)	14,175.47	148.41	**1.05%**
Services (PSL)	52,685.86	288.93	**0.55%**
Personal Loans (PSL)	9,799.78	287.15	**2.93%**
Non-PSL Services	19,335.05	2,001.27	**10.35%**
Non-PSL Personal Loans	27,953.75	226.07	**0.81%**

• सेवा क्षेत्र (गैर– पी.एस.एल.) में उच्चतम एन.पी.ए. 10.35 प्रतिशत है, जो सम्भावित तनाव का संकेत देता है।

• कृषि एन.पी.ए. सम्भवतः जलवायु और नीति प्रभावों के कारण 0.03 प्रतिशत से बढ़कर 1.6 प्रतिशत हो गया।

ऋण (क्रेडिट) जोखिम और प्रावधान रणनीति–

• शुद्ध एन.पी.ए. शून्य बना हुआ है, जिससे पता चलता है कि बैंक के पास खराब ऋणों के लिए पर्याप्त प्रावधान हैं।

• उच्च– एन.पी.ए. वाले क्षेत्रों में अत्यधिक जोखिम से बचने के लिए ऋण विविधीकरण रणनीति की आवश्यकता है।

4– पूँजी पर्याप्तता एवं तरलता स्थिति–

पूँजी शक्ति–

• पूँजी पर्याप्तता अनुपात (सी.आर.ए.आर.) 19.68 प्रतिशत से बढ़कर 20.56 प्रतिशत हो गया, जिससे आर. बी.आई. मानदण्डों का अनुपालन सुनिश्चित हुआ।

• आरक्षित निधि और अधिशेष रू0 236.86 करोड़ से बढ़कर रू0 258.63 करोड़ हो गया, जिससे पूँजी आधार मजबूत हुआ।

तरलता कवरेज और निवेश–

• कुल निवेश रू0 1206.39 करोड़ से बढ़कर रू0 1249.12 करोड़ हो गया।

• **प्रमुख निवेशों में शामिल हैं–**

- सरकारी प्रतिभूतियाँ–रू0 8064.6 करोड़ (सुरक्षित और स्थिर)।
- म्यूचुअल फण्ड–रू0 65 करोड़ (कम जोखिम)।
- कॉर्पोरेट बॉण्ड–रू0 40.02 करोड़ (मध्यम जोखिम)।

5– लागत प्रबन्धन एवं दक्षता–

लागत संरचना विश्लेषण

• जमा की लागत 4.94 प्रतिशत से बढ़कर 5.38 प्रतिशत हो गई, जिससे लाभप्रदता कम हो गई।

• CASA जमा में गिरावट से जमा लागत बढ़ रही है।

परिचालन दक्षता मैट्रिक्स–

Metric	2022.23	2023.24	Change
Business per Employee	₹1153.34 Lakhs	₹1157.68 Lakhs	↑0.38%
Profit per Employee	₹6.06 Lakhs	₹6.89 Lakhs	↑13.7%
Productivity per Employee	₹1153.34 Lakhs	₹1157.68 Lakhs	↑0.38%

• प्रति कर्मचारी अधिक लाभ बेहतर लागत प्रबन्धन को दर्शाता है।

• प्रति कर्मचारी व्यवसाय लगभग स्थिर है, जो उत्पादकता बढ़ाने की आवश्यकता का सुझाव देता है।

6- ग्राहक आधार विस्तार और डिजिटल बैंकिंग–

ग्राहक वृद्धि रुझान–

• शेयरधारकों में 5.70 प्रतिशत की वृद्धि हुई (20160→21309)।

• बढ़ता सदस्य आधार उच्च ग्राहक विश्वास और प्रतिधारण का संकेत देता है।

डिजिटल बैंकिंग पहल–

• मोबाइल बैंकिंग और ऑनलाइन लेनदेन को अपनाना बढ़ रहा है।

• डिजिटल सेवाओं का विस्तार CASA अनुपात को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है।

आर्थिक एवं उद्योग प्रभाव–

प्रदर्शन को प्रभावित करने वाले व्यापक आर्थिक कारक–

• ब्याज दरों में बढ़ोतरी से जमा लागत पर असर पड़ा।

• मुद्रास्फीति का दबाव कुछ क्षेत्रों में ऋण चूक को बढ़ा सकता है।

• कृषि और एम.एस.एम.ई. पर सरकार की नीतियाँ ऋण देने के रुझान को प्रभावित करेंगी।

प्रतिस्पर्धी स्थिति–

• छोटे वित्त बैंकों और सहकारी बैंकों के साथ प्रतिस्पर्धा करता है।

• फिनटेक खिलाड़ियों से प्रतिस्पर्धा का मुकाबला करने के लिए मजबूत डिजिटल पेशकश की आवश्यकता है।

कूर्मांचल बैंक ने ऋण और अग्रिम में उल्लेखनीय 9.77 प्रतिशत की वृद्धि के साथ एक मजबूत विकास प्रक्षेपवक्र (Trajectory) प्रदर्शित किया है, जो 1384.62 करोड़ तक पहुँच गया है। यह वृद्धि सामाजिक उत्तरदायित्व पर सराहनीय केन्द्र पर आधारित है, जिसमें प्राथमिकता क्षेत्र ऋण 72 प्रतिशत के नियामक अधिदेश से अधिक है। इसके अलावा, खुदरा ऋण देने में बैंक का रणनीतिक जोर, व्यक्तिगत और छोटे व्यवसाय ऋणों पर बढ़ते फोकस से स्पष्ट है, जो बढ़ते उपभोक्ता खण्ड में बाजार हिस्सेदारी हासिल करने के लिए एक सक्रिय दृष्टिकोण को दर्शाता है।

हालाँकि, यह वृद्धि चुनौतियों से रहित नहीं है। सेवा क्षेत्र के भीतर गैर–निष्पादित परिसम्पत्तियों (एन.पी.ए.) में वृद्धि एक चिन्ताजनक प्रवृत्ति है, जो इस क्षेत्र के लिए मजबूत ऋण जोखिम प्रबन्धन और अधिक कठोर ऋण हामीदारी प्रक्रियाओं की आवश्यकता पर प्रकाश डालती है।

आगे बढ़ते हुए, कूर्मांचल बैंक को निम्नलिखित **रणनीतियों को प्राथमिकता** देनी चाहिए–

• **CASA वृद्धि को बढायें**– चालू और बचत खाते (CASA) जमा के अनुपात को बढ़ाने पर ध्यान दें। इससे उच्च लागत वाली सावधि जमाओं पर निर्भरता कम होगी, लाभप्रदता में सुधार होगा और बैंक की तरलता स्थिति में वृद्धि होगी।

• **डिजिटल बैंकिंग का विस्तार करें**– तेजी से डिजिटल होते वित्तीय परिदृश्य में ग्राहकों को आकर्षित करने और बनाए रखने के लिए मोबाइल बैंकिंग एप्लिकेशन और इन्टरनेट बैंकिंग सेवाओं सहित मजबूत डिजिटल बैंकिंग प्लेटफार्मों में निवेश करें। इससे परिचालन दक्षता में सुधार और ग्राहक अनुभव को बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

जबकि कूर्मांचल बैंक ने पिछले साल अपनी ऑनलाइन बैंकिंग सेवाएँ शुरू की थीं, लेकिन उसने अभी तक एकीकृत भुगतान इन्टरफेस (यू.पी.आई.) प्रणाली लागू नहीं की है। यह प्रणाली कई अन्य बैंकों के बीच एक मानक सुविधा बन गई है, और इसकी अनुपस्थिति कूर्मांचल की त्वरित और कुशल भुगतान विकल्प प्रदान करने की क्षमता को सीमित करती है। बैंकिंग उद्योग में प्रासंगिक बने रहने के लिए, कूर्मांचल बैंक को इन महत्त्वपूर्ण मुद्दों के समाधान के लिए तेजी से कार्य करने की आवश्यकता है।

• **जोखिम प्रबन्धन को मजबूत करें**– मजबूत ऋण जोखिम प्रबन्धन ढाँचे को लागू करें, जिसमें उन्नत ऋण अंकन मॉडल, नियमित पोर्टफोलियो समीक्षा और विशिष्ट ऋण खण्डों के भीतर उभरते जोखिमों को सम्बोधित करने के लिए सक्रिय उपाय शामिल हैं।

• **उत्पादकता में सुधार**– संचालन को सुव्यवस्थित करने, कर्मचारी उत्पादकता में सुधार करने और परिचालन लागत को कम करने के लिए प्रौद्योगिकी और स्वचालन का लाभ उठायें। इसमें ग्राहक सेवा, ऋण प्रसंस्करण और धोखाधड़ी का पता लगाने के लिए ए.आई. संचालित समाधान लागू करना शामिल हो सकता है।

इन प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केन्द्रित करके, कूर्मांचल बैंक चुनौतियों का सामना कर सकता है और आगे के विकास के अवसरों का लाभ उठा सकता है।

संदर्भ–

माथुर, डॉ० बी० एस०, "सहकारिता", साहित्य भवन पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स (प्रा) लि०, 2004।

जैन, पी. सी., सहकारिता (Co- Operation in India & Abroad), रिसर्च पब्लिकेशन्स, नई दिल्लीः जयपुर।

पाण्डे, बद्रीदत्त, कुमाऊँ का इतिहास 2011,अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।

पन्त, कल्पना, कुमाऊँ के ग्राम– नाम 2004, पहाड़, परिक्रमा, तल्लाडांडा, नैनीताल।

IJCIRASA ISSN (O)-2581-5334 December2019।Vol- 2 Issue- 7- (भारत में बैंकिंग व्यवसाय– एक विश्लेषण) Maurya, Dr- Rajesh, Mittal, Prof- J-P-

<u>वार्षिक रिपोर्ट–</u>

वार्षिक रिपोर्ट्स दि कूर्मांचल नगर सहकारी बैंक लिमिटेड, नैनीताल।

सहकारिता विभाग कुमाऊँ मण्डल विभागीय प्रगति विवरण 2022–23.

सामाजिक आर्थिक समीक्षा कुमाऊँ मण्डल वर्ष 2017–18 कार्यालय उप निदेशक, अर्थ एवं संख्या, कुमाऊँ मण्डल हल्द्वानी (नैनीताल), उत्तराखण्ड।